

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
25.	पश्चिम बंगाल	2		4			4		1		1
26.	दिल्ली	1					0				0
27.	अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह				1		1		1		1
28.	दमन और दियू			1			1				0
29.	पांडिचेरी						0	1			1
30.	लक्ष्य द्वीप समूह						0				0
31.	चण्डीगढ़	1					0				0
32.	दादर और नगर हवेली			1			1				0
कुल		26	14	169	120	4	307	2	4	0	6

कुल ट्रांसमीटर = 313

विवरण-IV

प्रस्तावित आकाशवाणी केंद्रों की राज्यवार संख्या

राज्य	केंद्रों की संख्या
आन्ध्र प्रदेश	1
अरुणाचल प्रदेश	5
असम	4
बिहार	—
गोवा	—
गुजरात	1
हरियाणा	1
हिमाचल प्रदेश	3
जम्मू और कश्मीर	2
कर्नाटक	1
केरल	1
मध्य प्रदेश	3
महाराष्ट्र	2
मणिपुर	4
मेघालय	2
मिजोरम	2
नागालैण्ड	3

राज्य	केंद्रों की संख्या
उड़ीसा	2
पंजाब	—
राजस्थान	1
सिक्किम	—
तमिल नाडु	1
त्रिपुरा	3
उत्तर प्रदेश	5
पश्चिम बंगाल	2
लक्षद्वीप एवं मिनिक्कॉय द्वीप समूह (संघ शासित प्रदेश)	3

Collecting of special toll from overseas passengers in Karipoor Airport

1515. SHRI THENNALA BALAKRISHNA PILLAI: Will the Minister of CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether Government are aware that a special toll is collected from overseas passengers at the Karipoor Airport-Calicut;

(b) if so, what is the reason therefor and why it is not implemented by other airports;

(c) the total amount collected so far from that special toll; and

(d) whether there is any proposal under Government's consideration for abolishing the toll?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION (SHRI C.M. IBRAHIM):

(a) and (b) Levy of 'Users Charge' on embarking international passengers from Calicut airport has been introduced to meet the interest charges on the loan raised by Malabar International Airport Development Society for the upgradation of Calicut airport. Such a loan has not been taken for any other airport project and hence 'users charge' is not being levied at any otherport.

(c) The approximate amount collected upto 30-6-1996 is Rs. 353.83 lakhs.

(d) No, Sir.

Handing over some airstrips to Maharashtra Government

1516. MISS SAROJ KHAPARDE: Will the Minister of CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether it is a fact that recently Government of Maharashtra has asked the Central Government to hand over some airstrips in the State for its use;

(b) if so, the details thereof;

(c) whether Government have acceded to the demand of the State Government; and

(d) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION (SHRI C.M. IBRAHIM): (a) and (b) Yes, Sir. The State Government of Maharashtra has requested Airports Au-

thority of India (AAI) to hand over Sholapur and Kolhapur airports to the State Government.

(c) The procedural formalities are being complied with by the AAI.

(d) Does not arise.

उत्तर भारत तथा पूर्वोत्तर भारत में तीर्थार्जन स्थल

1517. श्री महेन्द्र सिंह: क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या पर्यटन हेतु राष्ट्रीय कार्य योजना के अनुसरण में गठित की गई तीर्थ पर्यटन समिति ने उत्तरी भारत और पूर्वोत्तर भारत में कुछ तीर्थ स्थल अभिनिर्धारित किये हैं;

(ख) यदि हां, तो राज्य-वार इन स्थानों के नाम क्या-क्या हैं;

(ग) क्या राज्य सरकारों ने इन तीर्थ स्थलों की विकास योजना हेतु अनुदान प्रदान करने के संबंध में मांग की है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और पिछले तीन वर्षों के दौरान प्रत्येक स्थान के संबंध में कितनी धनराशि प्रदान की गयी तथा कितनी धनराशि खर्च की गयी है?

संसदीय कार्य मंत्री तथा पर्यटन मंत्री (श्री श्रीकान्त जैना): (क) और (ख) जी, हां। तीर्थ पर्यटन पर बनी समिति ने उत्तरी भारत और उत्तर पूर्वी भारत में विकास के लिए 18 स्थानों की पहचान की है। ब्यौरे विवरण-I में दिए गए हैं। (नीचे देखिए)

(ग) और (घ) पर्यटन विभाग राज्य सरकारों को, विनिर्दिष्ट परियोजनाओं के लिए उनके गुण-दोषों, परस्परिक प्राथमिकता और धन की उपलब्धता के आधार पर केन्द्रीय वित्तीय सहायता प्रदान करता है। पिछले तीन वर्षों के दौरान, इन स्थानों के विकास के लिए अवमुक्त की गई राशि का ब्यौरा विवरण-II पर है।